भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

राज्य सभा

लिखित प्रश्न सं. 2222

गुरूवार, 7 अगस्त, 2025/16 श्रावण, 1947 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

स्वदेश दर्शन योजना

2222 श्री ईरण्ण कडाडी:

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) स्वदेश दर्शन योजना के अंतर्गत कर्नाटक में स्वीकृत और विकसित पर्यटन सर्किटों का ब्यौरा क्या है;

(ख) इन सर्किटों के लिए आवंटित और उपयोग की गई कुल धनराशि कितनी है;

(ग) क्या बेलगाम, बादामी, ऐहोल और पट्टाडकल सहित उत्तरी कर्नाटक के ऐतिहासिक स्थलों को जोड़ने वाले एक विशिष्ट धरोहर सर्किट को विकसित करने का प्रस्ताव है; और

(घ) घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में इन सर्किटों को बढ़ावा दने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क) से (घ): पर्यटक स्थलों और पर्यटन उत्पादों का विकास और संवर्धन मुख्य रूप से संबंधित राज्य सरकार/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासन द्वारा किया जाता है। हालाँकि, पर्यटन मंत्रालय 'स्वदेश दर्शन (एसडी)', 'स्वदेश दर्शन 2.0 (एसडी 2.0)', 'चुनौती आधारित गंतव्य विकास (सीबीडीडी)' - स्वदेश दर्शन की एक उप-योजना और 'तीर्थयात्रा कायाकल्प और आध्यात्मिक विरासत संवर्धन अभियान (प्रशाद)' नामक अपनी केंद्रीय क्षेत्र योजनाओं के माध्यम से, राज्य सरकारों/ संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों को धन की उपलब्धता, योजना दिशानिर्देशों के अनुपालन, राज्य सरकारों द्वारा विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) की प्रस्तुति के अध्यधीन वित्तीय सहायता प्रदान करके पर्यटन अवसंरचना विकास संबंधी उनके प्रयासों को संपूरित करता है।

पर्यटन मंत्रालय ने देश में चिह्नित विषयगत पर्यटन परिपथों के अंतर्गत पर्यटन अवसंरचना विकसित करने के उद्देश्य से वर्ष 2014-15 में अपनी 'स्वदेश दर्शन योजना (एसडीएस)' शुरू की थी। स्थायी पर्यटन स्थलों के विकास के उद्देश्य से इस योजना को 'स्वदेश दर्शन 2.0 (एसडी 2.0)' के तौर पर नया रूप दिया गया है और मंत्रालय ने कर्नाटक में एसडी 2.0 के अंतर्गत 3 परियोजनाओं को मंजूरी दी है, जिनका विवरण निम्नानुसार है:

क्र. सं.	परियोजना का नाम	परिपथ/स्वीकृति वर्ष	स्वीकृत राशि (करोड़ रु. में)	उपयोग के लिए प्राधिकृत राशि (करोड़ रु. में)
1.	हम्पी में 'ट्रेवेलर नूक्स' की स्थापना	2023-24	25.63	2.56
2.	मैसूर में टोंगा राइड हेरिटेज अनुभव क्षेत्र	2023-24	2.71	0.27
3.	मैसूर में पारिस्थितिक अनुभव क्षेत्र	2023-24	18.48	1.85

पर्यटन मंत्रालय द्वारा प्रशाद योजना के अंतर्गत स्वीकृत परियोजनाओं का विवरण निम्नानुसार है:

क्र. सं.	परियोजना का नाम	स्वीकृति वर्ष	स्वीकृत राशि (करोड़ रु. में)
1.	श्री चामुंडेश्वरी देवी मंदिर, मैसूर में तीर्थयात्रा सुविधाओं का विकास	2023-24	45.38
2.	रेणुका यल्लमा देवी मंदिर का विकास	2024-25	18.37
3.	पापनाश मंदिर, बीदर जिले में मूलभूत सुविधाओं का विकास	2024-25	22.25

बेलगाम, बादामी, ऐहोल और पट्टाडकल सहित उत्तरी कर्नाटक के ऐतिहासिक स्थलों को जोड़ने वाले किसी विशिष्ट विरासत परिपथ के विकास हेतु पर्यटन मंत्रालय के विचार के लिए कोई परियोजना वर्तमान में सूचीबद्ध नहीं है। हालाँकि, भारत सरकार ने अपनी 'पूंजी निवेश हेतु राज्यों को विशेष सहायता (एसएएससीआई)' नामक पहल के तहत देश में 40 पर्यटन परियोजनाओं के विकास हेतु राज्यों को वित्तीय सहायता प्रदान की है, जिनमें कर्नाटक राज्य की 2 परियोजनाएँ भी शामिल हैं, जिनका विवरण इस प्रकार है:-

क्र. सं.	परियोजना का नाम	राशि (करोड़ रु. में)
1.	बेंगलुरु में रोएरिच और देविका रानी एस्टेट टाटागुनि में इको टूरिज्म और सांस्कृतिक केंद्र	99.17
2.	बेलगावी में सवादत्ती यल्लम्मागुड्डा का विकास	100.00

पर्यटन मंत्रालय अपनी सतत प्रचार संबंधी कार्यकलापों के तहत सोशल मीडिया, प्रचार संबंधी वेबसाइट, कार्यक्रमों आदि के माध्यम से अंतरराष्ट्रीय और घरेलू बाजारों में कर्नाटक के विरासत स्थलों सहित देश के विभिन्न पर्यटन स्थलों और उत्पादों का नियमित रूप से संवर्धन करता है।

*****